बुनियादी शिक्षा योजना
(Basic Education)

1937 ई० में वर्धा में गांधी जी की अध्यक्षता में एक शिक्षा सम्मेलन का आयोजन हुआ था जिसमें प्राथमिक शिक्षा में देश के अनेक शिक्षाविदों ने अपने विचार प्रकट किये थे। इसी आधार पर डॉ० जाकिर हुसैन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन भी किया। इसी आधार पर इसे वर्धा शिक्षा, बुनियादी शिक्षा, नई तालीम, आधारभूत शिक्षा इत्यादि नामों से जाना जाता है।

→ ## बुनियादी शिक्षा के मूल सिद्धान्त
(Principles of Basic Education)

बुनियादी शिक्षा के मूलभूत सिद्धान्त निम्न हैं

(i) 7 वर्ष से 14 वर्ष आयु तक के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा।

(ii) मातृभाषा को शिक्षा का माध्यम।

(iii) उद्योग केन्द्रित शिक्षा (किसी शिल्प / हस्तकला की शिक्षा)

(iv) शिक्षा का स्वावलम्बी होना।

Scanned with CamScanner

(v) शिक्षा का वास्तविक जीवन से सम्बन्ध।

(vi) नागरिकता के आदर्शों पर बल।

→ बुनियादी शिक्षा की पाठ्यचर्या
(Curriculum of Basic Education)

सात वर्षीय बुनियादी शिक्षा की पाठ्यचर्या में निम्न विषय समाविष्ट है।

(i) आधारभूत हस्तकला
(ii) मातृभाषा
(iii) गणित
(iv) सामाजिक विज्ञान (इति० भूगोल, एवं नागरिकशास्त्र)
(v) सामान्य विज्ञान (प्राकृतिक अध्ययन, वनस्पति, जीव, स्वा०)
(vi) चित्रकला
(vii) संगीत
(viii) हिन्दुस्तानी

अंग्रेजी को पाठ्यक्रम से हटा दिया गया। 5वीं कक्षा तक यह शिक्षा की स्वीकृत दी गयी।

Scanned with CamScanner

→ बुनियादी शिक्षा की शिक्षण विधियाँ
(Teaching methods of Basic Education)

संक्षेप में बुनियादी शिक्षा की विधियाँ इस प्रकार है।

(i) करके सीखना (Learning by doing)।
(ii) आत्माभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करना
(To Provide Opportunity for Self-Expression)।

(iii) जीवन अनुभव से सीखना (Learning by Living)
(iv) ज्ञान का समन्वय एवं सुसम्बद्धता
(Correlation and Integration of knowledge)

→ बुनियादी शिक्षा के गुण
(Merits of Basic Education)

(i) यह बालक की स्वतन्त्रता पर बल देती है।
(ii) बेसिक शिक्षा (3 H's - Hand, Head, Heart) के प्रशिक्षण पर बल देती है।

(iii) यह व्यवसायिक कुशलता प्राप्त करने में सहायता करती है।
(iv) यह बाल मनोविज्ञान की आवश्यकता के अनुकूल है।

Scanned with CamScanner